ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–83
दिनांक: शुक्रवार, 30 अक्टूबर, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.6 एवं 18.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 86 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 71 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.8 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 24.8 एवं दोपहर में 30.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 26.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(31 अक्टूबर–04 नवम्बर, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 31 अक्टूबर से 04 नवम्बर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि में चक्रवात अर्नब का प्रभाव उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों पर 31 अक्टूबर तक रहने की संभावना है। इसके चलते तेज हवा, गरज–चमक के साथ हल्के से मध्यम बादल एवं वर्षा हो सकती है। मधुबनी एवं सीतामढ़ी जैसे जिलों में अच्छी वर्षा होने का अनुमान भी है। इसके बाद मौसम फिर से साफ एवं शुष्क रहने की संभावना है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 22–29°C तथा न्यूनतम तापमान 18–21°C के बीच रहने का अनुमान है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 80–95% तथा दोपहर के समय 55–65% रहने की संभावना है।
- हवा की दिशा शुरुआत में पछुआ तथा बाद में पुरवा रहने की संभावना है। गरज–चमक वाले दिनों में हवा की गति 15–25 किमी प्रति घंटा तथा इसके बाद 5–10 किमी प्रति घंटा रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- पिछले कुछ दिनों में हुई वर्षा से मिट्टी में नमी की उपलब्धता बढ़ी है,जिससे खेत की तैयारी एवं नई फसलों की बुआई में सहायता मिल सकती है।किसानों को सलाह दी जाती है कि जिन क्षेत्रों में अधिक वर्षा हुई है, वहां पहले खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें तथा मिट्टी में अनुकूल नमी की स्थिति होने पर ही रबी फसलों की बुआई करें। भंडारित धान एवं खरीफ मक्का में नमी एवं कीटों के प्रकोप की निगरानी करें। खड़ी सब्जी फसलों में समय पर निराई–गुड़ाई एवं कीटों की नियमित निगरानी करें।
- चनाः चना की बुआई करने की सलाह दी जाती है। देसी चना की अनुशंसित किस्में *पूसा*–256, *के.पी.जी.*–59 (*उदय*), *के.डब्ल्यू. आर.*–108, *पंत जी*–189 एवं *पूसा*–372 तथा काबुली चना की किस्में *एच.के.*–2 *एवं एच.के.*–5–169 हैं। बीज दर देसी चना के लिए 75–80 किलोग्राम तथा काबुली चना के लिए 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले बीजों को अनुशंसित फफूंदनाशी से उपचारित करें तथा सूखने के बाद राइजोबियम कल्चर लगाएं। 30 × 10 सेंटीमीटर की दूरी रखें। पर्याप्त नमी होने पर धान–चना प्रणाली में जीरो–टिलेज सीड ड्रिल से बुआई करें। बुआई के समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर दें।
- सब्जी मटरः मटर की मध्यम एवं पछेती किस्मों *काशी शक्ति, बोनविल, पंत उपहार, जवाहर मटर*–1 एवं *जवाहर मटर*–2 की बुआई नवंबर के मध्य तक पूरी करें। बीज दर 80–100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 30 × 10 सेंटीमीटर रखें। अच्छी उपज के लिए 150–200 क्विंटल कम्पोस्ट, 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें।
- पालकः पालक की बुआई करें। अनुशंसित किस्में *पूसा ज्योति, ऑल ग्रीन, जॉबनेर ग्रीन, पूसा हरित, एच.एस*–23, *विलायती पालक, वर्जीनिया सेवॉय* एवं *पंत कम्पोजिट*–1 हैं। बीज दर 20–25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 30 × 5 सेंटीमीटर रखें। प्रति हेक्टेयर 125 क्विंटल कम्पोस्ट, 80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटाश दें। खेत की तैयारी के समय कम्पोस्ट, फॉस्फोरस, पोटाश तथा कुल नाइट्रोजन की एक–चौथाई मात्रा डालें। शेष नाइट्रोजन पत्तियों की प्रत्येक कटाई के बाद 4–5 किस्तों में दें।
- गाजरः मध्यम अवधि वाली गाजर की किस्मों *काशी कृष्णा, पूसा जामुनी, पूसा रुधिरा, पूसा असिता, अर्का सूरज, पूसा केसर, पूसा मथाली* एवं *पूसा यमदाग्नि* की बुआई करें। बीज दर 4–5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 30 × 10 सेंटीमीटर रखें। अच्छी उपज के लिए 150–200 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी कम्पोस्ट, 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर खेत की तैयारी के समय मिट्टी में मिला दें।
- पत्तागोभीः पत्तागोभी की बुआई पूरी कर लें। अनुशंसित किस्में *पूसा ड्रम हेड* एवं *पूसा अगेती* हैं। बीज दर लगभग 500 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा 50–60 × 40–50 सेंटीमीटर की दूरी रखें। अच्छी उपज के लिए खेत की तैयारी के समय 20–25 टन गोबर की खाद, 120 किलोग्राम नाइट्रोजन, 80 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 80 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 22.5 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 8.0 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 18.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी